



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसारण / ३

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रांचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

प्र० 244] यह विद्यमान, मंगलगार, जु ७। १९७०/प्रापाद १६, १८९२

प्र० 244] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 7, 1970 ASADHA 16, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जारी है जिसमें इन प्रकाशित के रूप में रखा जा सके।

**Separate pagling is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.**

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July 1970

S.O. 2369.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (2) of section 5 of the Khadi and Other Handloom Industries Development (Additional Excise Duty on Cloth) Act, 1953 (12 of 1953), the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No S.R.O. 1479, dated the 25th July, 1953, namely :—

In the said notification, for the proviso the following shall be substituted, namely :—

"Provided that nothing contained in these rules shall apply to the following descriptions of cotton fabrics manufactured in a composite mill, namely :—

- (i) Medium-A, if unprocessed; and
- (ii) Medium-B and Coarse, if unprocessed; or if bleached, or dyed, or if bleached and dyed but not printed; or which answer the description of "Dhoti", "Saree", "Long Cloth", "Shirting" or "Drill" as defined from time to time by the Textile Committee under the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and for which maximum ex-factory prices have been specified by the Textile Committee under the said Order.

Explanation.—For the purposes of these rules, "composite mill" means a manufacturer who is engaged in spinning of cotton twist, yarn or thread or weaving or processing of cotton fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities."

[No. F. 4/63/69/-TEX(C.)]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

विवेशी व्यापार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई 1970

क्रा० न्र० 2369—जादी और अन्य हाथ करारा उद्योग विभास (कपड़े पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क) अधिनियम, 1953 (1953 का 12) की धारा 5 की उपधारा (2) के खण्ड (३) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मंग्कार गतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व वासिणीय और उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना सम्बन्धीय का० नि० आ० 1479, तारीख 25 जुलाई, 1953 में प्रीर आगे निम्नलिखित सशोधन करसी है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिष्ठापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु इन नियमों में अन्तर्विष्ट कोई बान संयुक्त मिल में विनिमित निम्नलिखित प्रकार के सूती फैब्रिकों पर लागू नहीं होगी, अर्थात् :—

- (i) मध्यम—क, यदि अप्रसंस्कृत हो ; और
- (ii) मध्यम—ख और मोटा, यदि अप्रसंस्कृत हो ; या यदि विराजित या रंजिन, या यदि और रंजित हो, किन्तु उपा हुआ न हो ; या जो सूती टैक्सटाइल (नियंत्रण) आदेश, 1948 के अधीन टैक्सटाइल आयुक्त द्वारा समय समय पर यथा परिभाषित, “धोनी”, “साड़ी”, “लट्ठा”, “कमीज का कपड़ा” या “जीन” हो और जिनके लिये टैक्स-टाइल आयुक्त द्वारा उक्त भारत के अधीन कारखाने पर की अधिकतम कीमतें विनियोजित कर दी गई हों।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिये “संयुक्त मिल” से ऐसा विनिर्माता अभिप्रेत है जो शक्ति की सहायता से सूती बटे हुए धारे, सूत या डोरे को कातने वा सूती फैब्रिक बुनने या सूती फैब्रिकों को प्रसंस्कृत करने में लगा हुआ है और जिसका कम से कम ऐसे दो विनिर्माण क्रियाकलापों में स्वत्वधारी हित है।”

[सं० फा० 4/63/69—टी० ई० एसस० (सी०).]

क्र० एस० भट्टाचार, संस्कृत सचिव।